गुजरात सरकार द्वारा आयोजित पुलिस पदक वितरण समारोह के अवसर पर दिया गया भाषण

कराई पुलिस अकादमी, गांधोनगर

1 अप्रैल, 2016

गुजरात के पुलिस अधिकारियों और पुलिस कर्मियो को उनके अप्रितम शौर्य और विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट पति द्वारा पुलिस सेवा विशिष्ट पदक घोषित किए गए थे। वे पदक एक समारोह का आयोजन कर प्रदान किए गए।

पदक प्राप्त करने वाले पुलिसकर्मियो ने अपने श्रेष्ठ कर्त्तव्य द्वारा गुजरात राज्य का गौरव बढ़ाया है।

पुलिस राज्य नामक संस्था का महत्त्वपूर्ण अग है। वह नागरिकों के जानमाल की सुरक्षा और कानून और व्यवस्था बनाए रखती है।

अपने दायित्व को सफलतापूर्वक निभाने के लिए यह ज़रूरी है कि पुसिल कर्मियो को स्तरीय और पर्याप्त प्रशिक्षण दिया जाए, उनकी व्यावसायिक क्षमता और कौशल बढ़ाए जाए, उनमे कर्त्तव्यनिष्ठा और समर्पण की भावना हो और वे नागरिको के प्रति सवेदनशील हो।

गुजरात की पुलिस अपनी कर्त्तव्यपरायणता और राष्टभावना के लिए जानी जाती है।

गुजरात सीमावर्ती राज्य है। इसकी लम्बी समुद्री सीमा है। समुद्री रास्ते से गड़बड़ो करने वाली ताकतो से निपटना सुरक्षाकर्मियो और पुलिस बल के समक्ष बराबर एक चुनौती रहती ही है। इसके अलावा गुजरात देश का विकसित राज्य है। यह उद्योगो का राज्य है। इसमे देश के अन्य राज्यो और विदेशो की पूजी लगी है। यहा अनेक महत्त्वपूर्ण और सवेदनशील प्रतिष्ठान है। इनकी निरन्तर

चौकसी बहुत ज़रूरी है। राज्य की औद्योगिक और आर्थिक प्रगति के लिए निरन्तर चौकसी बहुत ज़रूरी है। इसके कुशल और समुन्नत पुलिस बल बहुत ज़रूरी है। सरकार ने पुलिस बल की क्षमता और आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए अनेक कदम उठाए है।

तकनोलाजी के विकास ने राष्ट और समाज की सुरक्षा के लिए नई चुनौतिया उपस्थित की है। आतकवाद और साईबर क्राईम तकनोला जी युग की देन है। इन चुनौतियो का सफलतापूर्वक सामना करने के लिए पुलिस को अद्यतन तकनोलाज्जी सम्पन्न बनाना और आधुनिकतम उपकरणो से सुसज्ज करना बहुत ज़रूरी है। गुजरात सरकार ने इस विषय मे उचित ध्यान दिया है।

महिला सुरक्षा के लिए गुजरात सरकार ने सुरक्षा सेतु प्रोजेक्ट शुरू किया है। इसके तहत एक लाख प्रशिक्षणार्थियो को स्वरक्षण का प्रशिक्षण दिया गया है।

आम समाज में पुलिस की छवि और प्रतिमा कैसी है, इसका विचार करना बहुत ज़रूरी है। सामान्यतः लोग पुलिस को दमनकारी, कठोर और निर्दय मानते है। उसपर भ्रष्ट होने का आरोप भी लगते है पुलिस अपनी भूमिका प्रभावकारी रूप से निभा सके, इसके लिए पुलिस को अपनी छवि को सुधार करना होगा। यह ज़रूरी है कि पुलिसकर्मी वर्दी का मिथ्या अभिमान अपने पर हावी न होने दे। पुलिस नागरिको की मित्र बने, कानून का पालन करने वाला नागरिको के प्रति सवेदनशील हो।

यदा-कदा एसे समाचार सुनाई पड़ते हैं कि पुलिसकर्मियो को भारी तनाव मे काम करना पड़ता है। उनकी सेवा शर्ते और कार्यदशाए तनाव का कारण है। इनमे सुधार के साथ-साथ पुलिसकर्मियो

के परिवारजनों के लिए कल्याणकारी कदम उठाए जाने की ज़रूरत है।